हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन
और
आजीविका सुधार परियोजना (JICA वित्तपोषित)

सत्यमेव जयते
हिमाचल प्रदेश सरकार

वन श्री त्राण, विश्व कल्याण
वन विभाग हिमाचल प्रदेश

संवाद पत्र

अंक 14 | जनवरी 2025

दुर्गम क्षेत्र डोडरा-क्वार में जाइका वानिकी परियोजना से जुड़ी महिलाओं से वार्ता करते मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू

इस अंक में...

» जाइका इंडिया ने बढ़ाया महिलाओं का मनोबल

» समीर रस्तोगी ने परियोजना की प्रगति से मुख्यमंत्री को किया अवगत

» रसायन मुक्त उत्पादों को बढ़ावा दे रही जाइका वानिकी परियोजना

» अपनों ने ठुकराया, जाइका परियोजना ने अपनाया

वन परिक्षेत्र जयसिंहपुर स्थित शिवनगर नर्सरी का निरीक्षण करते जाइका इंडिया के प्रतिनिधि।

वन विभाग हिमाचल प्रदेश

जाइका वानिकी परियोजना

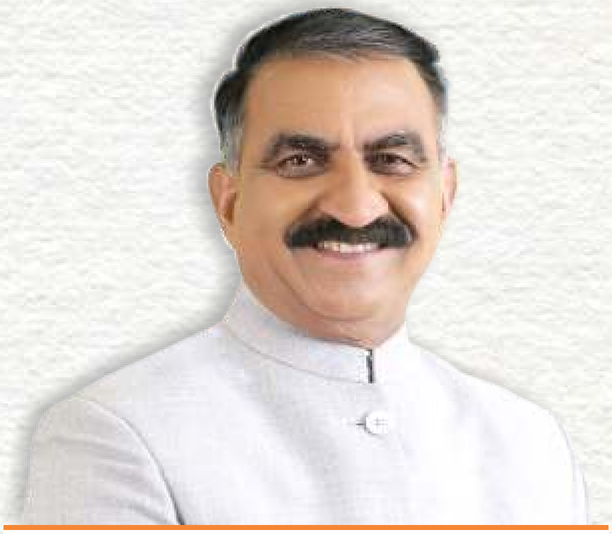

2025

शक् सम्वत् : 1946-47 — **विक्रमी सम्वत् : २०८१-८२**

पौष — जनवरी — माघ

रविवार		5	12	19	26
सोमवार		6	13	20	27
मंगलवार		7	14	21	28
बुधवार	1	8	15	22	29
वीरवार	2	9	16	23	30
शुक्रवार	3	10	17	24	31
शनिवार	4	11	18	25	

माघ — फरवरी — फाल्गुन

रविवार		2	9	16	23
सोमवार		3	10	17	24
मंगलवार		4	11	18	25
बुधवार		5	12	19	26
वीरवार		6	13	20	27
शुक्रवार		7	14	21	28
शनिवार	1	8	15	22	

फाल्गुन — मार्च — चैत्र

रविवार	30	2	9	16	23
सोमवार	31	3	10	17	24
मंगलवार		4	11	18	25
बुधवार		5	12	19	26
वीरवार		6	13	20	27
शुक्रवार		7	14	21	28
शनिवार	1	8	15	22	29

चैत्र — अप्रैल — वैशाख

रविवार		6	13	20	27
सोमवार		7	14	21	28
मंगलवार	1	8	15	22	29
बुधवार	2	9	16	23	30
वीरवार	3	10	17	24	
शुक्रवार	4	11	18	25	
शनिवार	5	12	19	26	

वैशाख — मई — ज्येष्ठ

रविवार		4	11	18	25
सोमवार		5	12	19	26
मंगलवार		6	13	20	27
बुधवार		7	14	21	28
वीरवार	1	8	15	22	29
शुक्रवार	2	9	16	23	30
शनिवार	3	10	17	24	31

ज्येष्ठ — जून — आषाढ़

रविवार	1	8	15	22	29
सोमवार	2	9	16	23	30
मंगलवार	3	10	17	24	
बुधवार	4	11	18	25	
वीरवार	5	12	19	26	
शुक्रवार	6	13	20	27	
शनिवार	7	14	21	28	

आषाढ़ — जुलाई — श्रावण

रविवार		6	13	20	27
सोमवार		7	14	21	28
मंगलवार	1	8	15	22	29
बुधवार	2	9	16	23	30
वीरवार	3	10	17	24	31
शुक्रवार	4	11	18	25	
शनिवार	5	12	19	26	

श्रावण — अगस्त — भाद्रपद

रविवार	31	3	10	17	24
सोमवार		4	11	18	25
मंगलवार		5	12	19	26
बुधवार		6	13	20	27
वीरवार		7	14	21	28
शुक्रवार	1	8	15	22	29
शनिवार	2	9	16	23	30

भाद्रपद — सितम्बर — आश्विन

रविवार		7	14	21	28
सोमवार	1	8	15	22	29
मंगलवार	2	9	16	23	30
बुधवार	3	10	17	24	
वीरवार	4	11	18	25	
शुक्रवार	5	12	19	26	
शनिवार	6	13	20	27	

आश्विन — अक्तूबर — कार्तिक

रविवार		5	12	19	26
सोमवार		6	13	20	27
मंगलवार		7	14	21	28
बुधवार	1	8	15	22	29
वीरवार	2	9	16	23	30
शुक्रवार	3	10	17	24	31
शनिवार	4	11	18	25	

कार्तिक — नवम्बर — मार्गशीर्ष

रविवार	30	2	9	16	23
सोमवार		3	10	17	24
मंगलवार		4	11	18	25
बुधवार		5	12	19	26
वीरवार		6	13	20	27
शुक्रवार		7	14	21	28
शनिवार	1	8	15	22	29

सार्वजनिक अवकाश

पूर्ण राज्यत्व दिवस	जनवरी	25
गणतन्त्र दिवस	जनवरी	26
गुरु रविदास जयन्ती	फरवरी	12
महा शिवरात्रि	फरवरी	26
होली	मार्च	14
ईद–उल–फितर	मार्च	31
राम नवमी	अप्रैल	6
डॉ.बी.आर. अम्बेडकर जयन्ती	अप्रैल	14
हिमाचल दिवस	अप्रैल	15
गुड फ्राईडे	अप्रैल	18
परशुराम जयन्ती	अप्रैल	29
बुद्ध पूर्णिमा	मई	12
महाराणा प्रताप जयन्ती	मई	29
ईद–उल–जूहा (बकरीद)	जून	7
संत गुरु कबीर जयन्ती (प्रकट दिवस)	जून	11
मुहर्रम	जुलाई	6
स्वतन्त्रता दिवस	अगस्त	15
जन्माष्टमी	अगस्त	16
महात्मा गांधी जयन्ती	अक्तूबर	2
दशहरा	अक्तूबर	2
महर्षि वाल्मीकि जयन्ती	अक्तूबर	7
दिवाली	अक्तूबर	20
गुरु नानक देव जयन्ती	नवम्बर	5
क्रिसमस दिवस	दिसम्बर	25

वैकल्पिक अवकाश

नव वर्ष दिवस	जनवरी	1
मकर संक्रान्ति	जनवरी	14
बसन्त पंचमी	फरवरी	2
स्वामी दयानन्द सरस्वती जयन्ती	फरवरी	23
वैशाखी	अप्रैल	13
ईस्टर संडे	अप्रैल	20
गुरु रवीन्द्रनाथ जयन्ती	मई	9
गणेश चतुर्थी	अगस्त	27
महाष्टमी	सितम्बर	30
गोवर्धन पूजा	अक्तूबर	22
गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस	नवम्बर	24
क्रिसमस संध्या	दिसम्बर	24

महिला कर्मचारियों के लिए अवकाश

रक्षा बन्धन	अगस्त	9
करवा चौथ	अक्तूबर	10
भाई दूज	अक्तूबर	23

मार्गशीर्ष — दिसम्बर — पौष

रविवार		7	14	21	28
सोमवार	1	8	15	22	29
मंगलवार	2	9	16	23	30
बुधवार	3	10	17	24	31
वीरवार	4	11	18	25	
शुक्रवार	5	12	19	26	
शनिवार	6	13	20	27	

Ptd. by: NEW ERA, Shimla M.: 94181 25001

परियोजना कार्यालय : टुटू, शिमला 171011 (हि.प्र.), दूरभाष : 0177-2838217

E-mail: cpdjica2018hpfd@gmail.com, web: https://jicahpforestryproject.com

इस तिमाही की मुख्य गतिविधियां

- मुख्य परियोजना निदेशक श्री समीर रस्तोगी के नेतृत्व में पीएमयू की टीम ने 25 सितंबर 2024 से 01 अक्तूबर 2024 तक उत्तराखंड जाइका का दौरा किया।
- 7 अक्तूबर 2024 को जाइका इंडिया के प्रतिनिधियों ने धर्मशाला का दौरा किया।
- 8 अक्तूबर 2024 को वन्यप्राणी सप्ताह समारोह के अवसर पर एतिहासिक गेयटी थियेटर में विभिन्न स्वयं सहायता समूहों के स्टॉल लगाए गए, जिसका मुआयना मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने किया।
- 9 अक्तूबर 2024 को परियोजना में कार्यरत हिमाचल प्रदेश वन सेवा के सेवानिवृत अधिकारियों के लिए पीएमयू शिमला में सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- 12 अक्तूबर 2024 को राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ल ने कुल्लू दशहरा के अवसर पर जाइका स्टॉल का उद्घाटन किया।
- 13 अक्तूबर 2024 को जुन्गा में दशहरा पर्व के अवसर पर स्वयं सहायता समूहों के स्टॉल में हजारों की आमदनी हुई।
- 13 अक्तूबर 2024 को काजा में मार्केटिंग आउटलैट खुला, जिसका उद्घाटन लाहौल–स्पीति की विधायक सुश्री अनुराधा राणा ने किया।
- 15 अक्तूबर 2024 को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव श्री रजनीश किमटा पीएमयू कार्यालय पहुंचे, यहां उनका स्वागत किया गया।
- 16 अक्तूबर 2024 को जुन्गा में शिमला फ्लाइंग फेस्टिवल का आगाज हुआ और राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ल ने परियोजना के स्टॉल का शुभारंभ किया।
- 18 अक्तूबर 2024 को जुन्गा में ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज मंत्री श्री अनिरुद्ध सिंह और द ग्रेट खली ने शिमला फ्लाइंग फेस्टिवल के अवसर पर जाइका स्टॉल का मुआयना किया।
- 19 अक्तूबर 2024 को जुन्गा में शिमला फ्लाइंग फेस्टिवल के अंतिम दिन मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार श्री नरेश चौहान जाइका स्टॉल पर पहुंचे और परियोजना की गतिविधियों की जानकारी भी हासिल की।
- 21 अक्तूबर 2024 को मुख्य परियोजना निदेशक श्री समीर रस्तोगी ने परियोजना की एक टीम को एक्सपोजर विजिट के लिए उत्तराखंड रवाना किया।
- 23 अक्तूबर 2024 को डीसी कांगड़ा श्री हेमराज भैरवा ने नूरपुर में आउटलैट का उद्घाटन किया।
- 23 से 25 अक्तूबर 2024 तक मुख्य परियोजना निदेशक श्री समीर रस्तोगी और परियोजना निदेशक श्री श्रेष्ठा नन्द शर्मा दिल्ली स्थित जाइका इंडिया के दौरे पर रहे।
- 26 अक्तूबर 2024 : प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू डोडरा–क्वार में जाइका वानिकी परियोजना से जुड़े स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से

वार्ता, महिलाओं ने यहां प्राकृतिक उत्पादों की बिक्री के लिए स्टॉल लगाए थे।

- 30 अक्तूबर 2024 : रिकांगपिओ में राज्य स्तरीय किन्नौर महोत्सव के दौरान राजस्व मंत्री श्री जगत सिंह नेगी ने वानिकी परियोजना के स्टॉल का मुआयना किया।
- 2 नवंबर 2024 : राज्य स्तरीय किन्नौर महोत्सव के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू वानिकी परियोजना के स्टॉल पर पहुंचे।
- 3 नवंबर 2024 को मुख्य परियोजना निदेशक श्री समीर रस्तोगी ने निचार और भावानगर वन परिक्षेत्र के तहत हो रहे कार्यों की समीक्षा बैठक की।
- 4 नवंबर 2024 को सीपीडी श्री समीर रस्तोगी ने वन मंडल आनी का दौरा किया।
- 11 से 14 नवंबर 2024 तक रामपुर लवी में परियोजना का बेहतर प्रदर्शन रहा।
- 14 नवंबर 2024 को मेघालय में आयोजित 13वीं नेशनल वर्कशॉप में मुख्य परियोजना निदेशक श्री समीर रस्तोगी ने बेहतरीन प्रस्तुति दी। उनके साथ परियोजना निदेशक श्री श्रेष्ठा नन्द शर्मा भी मौजूद रहे।
- 19 नवंबर को मुख्य परियोजना निदेशक श्री समीर रस्तोगी ने पीएमयू शिमला में बिलासपुर, किन्नौर, ठियोग, चौपाल, आनी, रामपुर, शिमला और रोहड़ू वन मंडलों के अधिकारियों और विषय वस्तु विशेषज्ञों के साथ बैठक की।
- 29 और 30 नवंबर 2024 को वन अकादमी सुंदरनगर में 14 वन मंडलों के अधिकारियों एवं परियोजना के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रस्तावित मध्यावधि समीक्षा को लेकर चर्चा हुई।
- 4 से 8 दिसंबर 2024 तक परियोजना की एक टीम एक्सपोजर विजिट पर रही।
- 12 और 13 दिसंबर 2024 को राज्य कृषि प्रबंधन एवं प्रसार प्रशिक्षण संस्थान मशोबरा में वन मंडल रामपुर, रोहड़ू, चौपाल, किन्नौर, बिलासपुर, ठियोग और आनी के क्षेत्रीय तकनीकी इकाई समन्वयकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- 16 दिसंबर 2024 को मुख्य परियोजना निदेशक श्री सामीर रस्तोगी ने वन मंडल नूरपुर का दौरा किया।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने लांच किया 2025 का कैलेंडर

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने 23 दिसंबर 2024 के जाइका वानिकी परियोजना का 2025 का वार्षिक कैलेंडर लांच किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव वन श्री कमलेश कुमार पंत, मुख्य परियोजना निदेशक श्री समीर रस्तोगी, परियोजना निदेशक श्री श्रेष्ठा नन्द शर्मा समेत वन विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने वन विभाग और वानिकी परियोजना के स्टाफ को क्रिसमस और नव वर्ष की बधाई भी दी।

जाइका इंडिया ने बढ़ाया महिलाओं का मनोबल

- 7 अक्तूबर को धर्मशाला और पालमपुर दौरे पर आई थी टीम
- ग्राम वन विकास समिति त्रिंड महादेव में सामुदायिक भवन का लोकार्पण

जाइका इंडिया की टीम ने वन मंडल पालमपुर के अंतर्गत बेहतर कार्य करने वाली स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं का मनोबल बढ़ाया। बीते सात अक्तूबर 2024 को जाइका इंडिया की एक उच्च स्तरीय टीम धर्मशाला और पालमपुर के दौरे पर पहुंची, जिसमें परियोजना की प्रगति और संभावनाओं का मूल्यांकन किया गया। गगल एयरपोर्ट पर पहुंचते ही वन मंडल धर्मशाला और नूरपुर के अधिकारियों ने उनका आत्मीय और भव्य स्वागत किया, जिससे टीम को हिमाचली संस्कृति की गर्मजोशी का अनुभव हुआ। हिमाचल प्रदेश जाइका वानिकी परियोजना के मुख्य परियोजना निदेशक श्री समीर रस्तोगी ने जाइका इंडिया की टीम के सदस्यों का हृदय से स्वागत और उनके सम्मान में फूल माला पहनाकर अभिवादन किया। जाइका इंडिया की टीम पहले दिन गोपालपुर स्थित मल्टीपर्पस आउटलैट पहुंची, जहां पर उन्होंने स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार प्राकृतिक उत्पादों की खरीददारी भी की।

हिमाचली लोकगीतों पर थिरके जापान प्रतिनिधियों के पांव

जाइका इंडिया के प्रतिनिधियों ने अन्नपूर्णा और राधा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद किया, जहां पर आजीविका सुधार के क्षेत्र में बेहतर काम करने वाली महिलाओं का मनोबल भी बढाया। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने जाइका इंडिया की टीम को हिमाचली संस्कृति और परंपरा के रंगारंग कार्यक्रम से मोहित किया, जिसमें जापानी प्रतिनिधियों ने भी हिमाचली लोकगीतों और नृत्यों के साथ पांव थिरकाए। उसके बाद ग्राम वन विकास समिति त्रिंड महादेव में सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। जयसिंहपुर नर्सरी का निरीक्षण करते हुए टीम के सदस्यों ने वन विभाग और परियोजना के अधिकारियों एवं फील्ड स्टाफ की कुशलता और समर्पण को देखकर उनकी सराहना की, जिसके परिणाम स्वरूप नर्सरी में पौधों की संख्या और क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

कृतिका शर्मा
विषय वस्तु विशेषज्ञ, वन मंडल पालमपुर

समीर रस्तोगी ने परियोजना की प्रगति से मुख्यमंत्री को किया अवगत

अक्तूबर माह की 8 तारीख को ऐतिहासिक गेयटी थियेटर शिमला में वाइल्ड लाइफ वीक कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जहां जाइका वानिकी परियोजना से जुड़े स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई और बिक्री के लिए भी उपलब्ध कराए गए। मुख्य परियोजना निदेशक श्री समीर रस्तोगी ने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू को परियोजना की प्रगति और सभी गतिविधियों से अवगत करवाया। मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की सराहना की, जो उनकी मेहनत और प्रतिभा का प्रतीक है। इस अवसर पर लाहौल से आई मान दासी ने मुख्यमंत्री को छरमा का जूस भेंट किया, जो हिमाचल प्रदेश की समृद्ध संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है।

जाइका के सहयोग से कठोगन गांव बन रहा आत्मनिर्भर: पवन ठाकुर

वन मंडल सुकेत की वन परिक्षेत्र सरकाघाट के अंतर्गत ग्राम वन विकास समिति कठोगन के अध्यक्ष पवन ठाकुर ने बताया कि जाइका वानिकी परियोजना के सहयोग से कठोगन गाँव आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है गांव में विकास को नई दिशा मिली है। ग्राम वन विकास समिति कठोगन का गठन फ़रवरी 2020 में किया गया। गांव में संस्थागत ढांचा मजबूत हुआ सभी ग्रामीणों ने मिल कर नियमित बैठकें आरंभ की और जाइका वानिकी परियोजना के सहयोग से गांव को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य आरंभ किया। पारस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए जाइका वानिकी परियोजना की मदद से 20 हेक्टेयर वन क्षेत्र में ग्रामीणों द्वारा पौधरोपण किया गया जिसमे ग्रामीणों के मनपसंद पौधे रोपे गए।

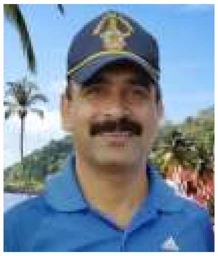

पवन ठाकुर
प्रधान वीएफडीएस

परियोजना आने से मधुर हुए विभाग और ग्रामीणों के संबंध: रवि कुमार

वन वृत्त मंडी के वन मंडल सुकेत की वन परिक्षेत्र कांगू में पिछले तीन सालो से सेवा दे रहे वन रक्षक रवि कुमार जाइका वानिकी परियोजना की हर गतिविधि को धरातल में उत्तारने के लिए प्रयासरत है। रवि कुमार का कहना है कि जाइका परियोजना के साथ जुड़ कर लोगों के संबंध वन विभाग के साथ बहुत मधुर हो गए हैं। इसमें गांव के लोग वन विभाग के साथ पौधरोपण, आग को बुझाना और जंगलों की रखवाली करने में अहम् योगदान दे रहे हैं। जिसका सारा श्रेय जाइका वानिकी परियोजना को जाता है। रवि कुमार ने लोगों को वानिकी की ओर प्रेरित करके उनके सहयोग से पौधारोपण किया। इसी के साथ साथ ग्रामीणों की कलमी पौधे लगाने की मांग को भी उन्होंने उच्च अधिकारियों तक पहुचाया और उन्हें हरड के कलमी पौधे उपलब्ध करवाए जिसका खुशी–खुशी ग्रामीणों ने पौधारोपण किया। सामुदायिक कार्यों में उन्होंने अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली वन ग्रामीण विकास समिति में सिंचाई के लिए पानी के टैंक बनवाए। जिनमें प्राकृतिक स्त्रोत से बह रहे व्यर्थ पानी को इकठ्ठा किया गया और जिससे व्यर्थ बह रहा पानी टैंक में इकट्ठा हुआ। उस पानी की मदद से ग्रामीण अपनी फसलों की सिंचाई कर पा रहे है और अपनी आजीविका को सुधार रहे हैं। इन कार्यों की वजह से लोग जाइका वानिकी परियोजना के बहुत आभारी हुए।

रवि कुमार
वन रक्षक कांगू

डा. विजय कुमार
विषय वस्तु विशेषज्ञ, वन मंडल सुकेत

रसायन मुक्त उत्पादों को बढ़ावा दे रही जाइका वानिकी परियोजना

शिमला फ्लाइंग फेस्टिवल के लोकार्पण अवसर पर बोले राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल

16 से 18 अक्तूबर 2024 तक राजधानी के समीप जुन्गा में चार दिवसीय शिमला फ्लाइंग फेस्टिवल एवं हॉस्पिटैलिटी एक्सपो–2024 के शुभारंभ अवसर पर राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने जाइका वानिकी परियोजना से जुड़े स्वयं सहायता समूहों के प्राकृतिक उत्पादों की सराहना की। बीते 16 अक्तूबर 2024 को राज्यपाल ने वानिकी परियोजना के स्टॉल का लोकार्पण किया। इस अवसर पर परियोजना के मुख्य परियोजना निदेशक समीर रस्तोगी व परियोजना निदेशक श्रेष्ठा नंद शर्मा ने राज्यपाल का स्वागत किया। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने वानिकी परियोजना के अंतर्गत विभिन्न स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की सराहना करते हुए कहा कि आज हम लोग मिलेट्स के उपयोग को बढ़ावा दे रहे हैं ताकि हमारा स्वास्थ्य ठीक रहे। रसायन प्रयोग से बेशक उत्पादन बढ़ता है, परन्तु उनके नुकसान भी बहुत हैं। इसलिए प्राकृतिक उत्पादों का अधिक से अधिक उत्पादन करने की आवश्यकता है। इसके साथ–साथ लोगों की आजीविका में सुधार होगा और उनकी आर्थिकी भी मजबूत होगी। मुख्य परियोजना निदेशक समीर रस्तोगी ने राज्यपाल को जाइका वानिकी परियोजना की गतिविधियों और स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की मार्केटिंग के बारे में अवगत करवाया। शिमला फ्लाइंग फेस्टिवल में किन्नौरी पारंपरिक परिधान, पाइन नीडल प्रोडक्ट्स, लाहौल का छरमा, किन्नौरी राजमाह, खुमानी, सत्तू, पट्टी का कोट, किन्नौरी टोपी व स्टाल, कुल्लू की टोपी, शॉल व स्टाल, आचार, शहद, छरमा का जूस, छरमा की चाय समेत कई उत्पादों की बिक्री हुई।

वन मंडल चौपाल में कार्यरत सेवानिवृत हिमाचल प्रदेश वन सेवा अधिकारी एलआर चौहान, प्रोग्राम मैनेजर मार्केटिंग विनोद शर्मा, डीएमयू शिमला से विषय वस्तु विशेषज्ञ योशा सोलंकी, क्षेत्रीय तकनीकी इकाई समन्वयक मशोबरा वन परिक्षेत्र पूजा, वन परिक्षेत्र तारादेवी से क्षेत्रीय तकनीकी इकाई समन्वयक प्रतिभा शर्मा, डीएमयू चौपाल से विषय वस्तु विशेषज्ञ अरुण वर्मा, क्षेत्रीय तकनीकी इकाई समन्वयक वन परिक्षेत्र कंडा नरेंद्र कुमार, क्षेत्रीय तकनीकी इकाई समन्वयक वन परिक्षेत्र थरोच देवा नंद शर्मा, क्षेत्रीय तकनीकी इकाई समन्वयक वन परिक्षेत्र निचार प्रियंका नेगी व भावानगर से सुरेखा नेगी, क्षेत्रीय तकनीकी इकाई समन्वयक बिलासपुर सदर मधु पुंडीर और कुल्लू से मास्टर प्रशिक्षक जुगत राम ठाकुर मौजूद रहे।

अपनों ने ठुकराया, जाइका परियोजना ने अपनाया

वन मंडल धर्मशाला के अंतर्गत वन परिक्षेत्र शाहपुर में जाइका वानिकी परियोजना ने आजीविका सुधार के क्षेत्र में बहुमूल्य कदम उठाया है। इस क्षेत्र में कुछ लोगों ने परियोजना से जुड़कर अपनी आजीविका कमाने का नया दौर शुरू किया। ग्राम वन विकास समिति मनोह के तहत 13 दिसंबर 2022 को ब्रिजेश्वरी स्वयं सहायता समूह का गठन किया। स्वयं सहायता समूह के सदस्यों ने आय सृजन के लिए झाडू तैयार करने का संकल्प किया। उसके बाद परियोजना ने 10 जनवरी 2024 को ग्रुप से जुड़े लोगों को झाडू बनाने का प्रशिक्षण दिया और फरवरी 2024 से कमाई करने का सिलसिला जारी रहा। ब्रिजेश्वरी स्वयं सहायता समूह रैत की सदस्य

भोटली देवी

भोटली देवी ने कहा कि इससे पहले भी वे झाड़ू बनाने का काम करती थी, लेकिन जब से जाइका वानिकी परियोजना से जुड़ने का मौका मिला उसके बाद उनकी आजीविका में बेहतरीन सुधार होने लगा है। उन्होंने कहा कि हमें इससे पहले किसी ने भी सहयोग नहीं दिया। यहां तक कि हमें तो अपनों ने भी ठुकरा दिया था, मगर जाइका वानिकी परियोजना ने अपनाया यही हमारे लिए बहुत गर्व की बात हैं। भोटली देवी ने कहा कि बाजार में 40 रूपये प्रति झाडू की के हिसाब से कीमत मिल जाती है, जबकि थोक विक्रय के तौर पर 15 रूपये प्रति झाडू बिक्री हो रही है। उन्होंने मुख्य परियोजना निदेशक श्री समीर रस्तोगी का आभार व्यक्त किया।

बबीता कश्यप
विषय वस्तु विशेषज्ञ, वन मंडल धर्मशाला।

मीडिया में जाइका वानिकी परियोजना

नैशनल हाइवे जंक्शन पर भी इस तरह के आउटलेट खोलने की अधिकारिक संभावनाएं तलाशने : हेमराज बैरवा

उपायुक्त हेमराज बैरवा ने मल्टीपर्पज आउटलेट का किया शुभारंभ

किन्नौर में मोटे अनाज की खेती को वानिकी परियोजना करेगी सहयोग

ग्राम वन विकास समिति निगुलसरी की मांग पर सीपीडी समीर रस्तोगी ने जताई सहमति

सीएम सुक्खू को बताईं परियोजना की गतिविधियां

दिव्य हिमाचल

स्टाफ रिपोर्टर — शिमला

लवी मेले में महकी जाइका के प्राकृतिक उत्पादों की खुशबू

- राज्यपाल ने किया वानिकी परियोजना के स्टॉल का लोकार्पण
- 3 वन मंडलों के 17 स्वयं सहायता समूहों ने बिक्री के लिए लाए प्रोडक्ट्स

कांच की बोतल में बेचें चुल्ली का तेल : जगत नेगी

शिमला। बागवानी एवं राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने जाइका वानिकी परियोजना के तहत बेचे जा रहे प्राकृतिक उत्पाद चुल्ली के तेल को प्लास्टिक के स्थान पर कांच की बोतल में बेचने की सलाह दी है।

किन्नौर महोत्सव में वन विभाग की प्रदर्शनी में प्राकृतिक उत्पाद बेचे जा रहे हैं, जिसके अंतर्गत चुल्ली का तेल भी है। प्रदर्शनी के निरीक्षण में राजस्व मंत्री ने अधिकारियों को चुल्ली के तेल की गुणवत्ता बरकरार रखने के लिए पैकिंग प्लास्टिक के स्थान पर कांच की बोतल में करने की हिदायत दी। किन्नौर महोत्सव में वन विभाग की प्रदर्शनी में जाइका वानिकी परियोजना के प्राकृतिक उत्पाद चुल्ली के तेल के अलावा किन्नौरी राजमा भी उपलब्ध करवाए गए हैं। किन्नौरी टोपी, हॉफ जैकेट, स्टॉल, कोट, चोली समेत गलीचे भी बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। ब्यूरो

राज्यपाल शिव प्रताप ने सराहे जाइका के प्राकृतिक उत्पाद

शिमला फ्लाइंग फेस्टिवल में वानिकी परियोजना के स्टॉल का किया लोकार्पण

फ्लाइंग फेस्टिवल में प्रोजेक्ट स्टाफ की मौजूदगी

किन्नौर महोत्सव में आकर्षण का केंद्र बना जाइका के प्राकृतिक उत्पाद

... इस अवसर पर मुख्य परियोजना निदेशक... See more

Home Videos Shorts Playlists Search

For You

Activities (JICA Forestry Project) Oct 2024

imachal.thesummernews.in

रामपुर लवी मेले के दौरान जाइका वानिकी परियोजना के स्टॉल पर खरीददारी करते लोग।

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें:

मुख्य परियोजना निदेशक
जाइका वानिकी परियोजना

नजदीक मिल्कफैड निगम, टुटू, शिमला-11 हिमाचल प्रदेश
दूरभाषः 0177-2837217/2837317/2838217
email: cpdjica2018hpfd@gmail.com | https://jicahpforestryproject.com

अतिरिक्त परियोजना निदेशक, अनुश्रवण एवं मूल्यांकन इकाई

जाइका वानिकी परियोजना, कुल्लू। दूरभाषः 1902 -226636
ई0 मेलः. pdjicakullu@gmail.com